सुबी ताबा की दो कविताएँ

(अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद)

पूर्णिमा ओसुनाम तायेङ

(1)

पाषाण

वह पल जब छोड़ गए तुम मुझे
रूपांतरित हुई मैं
अविचल
खामोश
मेरे अधर पर कोई शब्द नहीं
न ही आँखों में कोई स्पंदन
मै निर्वाक बनी रही
जैसे कोई पाषाण!

(2)

प्रिय बोहेमियन

प्रिय बोहेमियन सखा!
एक कहानी है
स्मृतियो में बसी कोई...
यदि तुम सुन लो तो शायद चीख पड़ो।
शांत, किंतु अपरिचित-सी बात
छत की भीतों पर तैर गया हो कोई जैसे
उस वक्त
जब दार्जिलिंङ के पास प्रार्थना कर रही थी मैं !

तुम्हारे गांव पहुंची
मुक्त हो सारे कष्ट और थकान से
मैं यहाँ तुम्हारे तीर्थ के पगडंडियों के साथ हूँ!
चीन की वे महान दीवारें-
'पगोडा' के बीच के पदचिह्न
बौद्ध भिक्षु तुम्हारे उपाख्यानों में निमग्न हैं!
हारमोनियम के साथ घुमंतू बंजारा
वे तुम्हारे लिए खेल रहे कुछ सिक्कों के खातिर
ग्रीक स्थापत्य के संधि-स्थल के समीप।
रंगीन इंडोनेसियाई आसमान के बीच
सुनाई दी, तुम्हारी बिखरी हुई मुस्कान
पत्तों के पलक पर दिखीं थीं
जो पिछले जुलाई में !
तुमने बुना है कोई संगीत,
मोहक-सा
न्यूयार्क के सर्द सड़कों पर मदहोश करती हुई
तुम्हारी मुस्कान निशस्त्र कर देती है बहुत।
तुम्हारी आवाज़ लंदन की दास्तां है
जो आती है परित्यक्त टेलीफोन बूथ से
मुझे पुरानी स्मृतियों से आजाद करने के लिए!

***

*(**लेखकीय परिचय:** खोजी प्रवृत्ति की सुबी ताबा कहानीकार और कवयित्री हैं। उनका प्रकाशित काव्य-संग्रह 'द बोहेमियन मैन' काफी चर्चित रहा है। कृषि विज्ञान में पीएच.डी. सुबी ताबा ने पूर्वोत्तर सौंदर्य प्रतियोगिता में अपना उच्च स्थान बनाया है तथा वर्तमान में आप अरुणाचल प्रदेश सरकार में अपनी सेवा दे रही हैं। मोबा. 8731899801, ई-मेल : subitaba@gmail.com) / अनुवादक पूर्णिमा ओसुनाम तायेङ राजीव गांधी विश्वविद्यालय में पीजीडीएफएस की विद्यार्थी रही हैं।*